No. of Page : 4
No. of Q. : 29

नामांक _____ ROLL NO. _____ P - 111

अर्द्धवार्षिक परीक्षा - 2018-19

Class-XII

Time : 3¼ Hrs. विषय - हिन्दी अनिवार्य MM. : 70

नोट :- 1. सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न पत्र पाँच खंडों में विभक्त है, एक खंड के प्रश्न हल करने के पश्चात् ही दूसरे खंड का आरंभ करें।

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

वर्तमान समाज में नैतिक मूल्यों का विघटन चहुँ ओर दिखाई दे रहा है। विलास और भौतिकता के मद में भ्रांत लोग बेहताशा धनोपार्जन की अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं। आज का मानव स्वार्थपरता से इस तरह आकंठ डूब चुका है कि उसे उचित-अनुचित, नीति-अनीति का भान नहीं हो रहा है। व्यक्ति विशेष की निजी स्वार्थपूर्ति से समाज का कितना अहित हो रहा है, इसका शायद किसी को आभास नहीं है। आज के अभिभावक भी धनोपार्जन एवं भौतिकता के साधन जुटाने में इतने लीन हैं कि उनके वात्सल्य का स्रोत ही उनके लाडलों के लिए सूख गया है। उनकी इस उदासीनता से मासूम दिलों को गहरे तक चीर दिया है। आज का बालक अपने एकाकीपन की भरपाई या तो घर में दूरदर्शन केबिल से प्रसारित अश्लील-फूहड़ कार्यक्रमों से करता है या कुसंगति में पड़कर जीवन का नाश करता है। समाज के इस संक्रांति-काल में छात्र किन जीवन मूल्यों को सीख पायेगा, यह कहना नितांत कठिन है। जब-जब समाज पथभ्रष्ट हुआ है, तब-तब युग सर्जक की भूमिका का निर्वाह शिक्षकों ने बखूबी किया है। आज की दशा में भी जीवन मूल्यों की रक्षा का गुरुत्तर दायित्व शिक्षक पर ही आ जाता है। वर्तमान स्थिति में जीवन मूल्यों के संस्थापन का भार शिक्षकों के ऊपर है क्योंकि आज का परिवार बालक के लिए सद्गुणों की पाठशाला जैसी संस्था नहीं रह गया है जहाँ से बालक एक संतुलित व्यक्तित्व की शिक्षा पा सके।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1½
(ख) आज के समाज में बालकों के सामने क्या समस्या है? तथा इसका क्या कारण है? 1½
(ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द तथा प्रत्यय बताइए- 1
(i) नैतिक (ii) भौतिकता

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पथ बंद है पीछे अचल पीठ पर धक्का प्रबल।

मत सोच बढ़ चल तू अभय, ले बाहु में उत्साह-बल।
जीवन-समर में सैनिको, संभव असंभव को करो।
पथ-पथ निमंत्रण दे रहा, आगे कदम, आगे कदम।
ओ बैठने वाले तुझे देगा न कोई बैठने।
पल-पल समर नूतन सुमन शैया न देगा लेटने।
आराम संभव है नहीं जीवन सतत् संग्राम है।
बढ़-चल मुसाफिर धर कदम, आगे कदम। आगे कदम।
ऊँचे हिमानी शृंग पर, अंगार के भ्रु-भंग पर
तीखे करारे खंग पर, आरंभ कर अद्भुत सफर
औ नौजवाँ निर्माण के पथ मोड़ दे, पथ खोल दे
जय-हार में बढ़ता रहे आगे कदम, आगे कदम।

(क) इस काव्यांश में कवि किसे प्रेरणा दे रहा है और क्या? 1½
(ख) 'जीवन सतत् संग्राम है।' आशय स्पष्ट कीजिए। 1½
(ग) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए। 1

खण्ड - ब

3. लिपि किसे कहते हैं? हिंदी भाषा की लिपि बताइए। 1½
4. रेखांकित शब्दों का पद परिचय दीजिए- 2
कार्तिक बहुत भाग्यशाली है।
5. अभिधा और लक्षणा शब्द शक्ति में अंतर बताइए। 2
6. 'मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ।' इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है? स्पष्ट कीजिए। 1½
7. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए- 2
(क) Ration (ख) Gazetted
8. स्वयं को शासन सचिव अंबिका पँवार मानते हुए राज्य के समस्त संस्था प्रधानों (शिक्षा विभाग) को 'गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा' सुनिश्चितता हेतु एक अर्द्धशासकीय पत्र का प्रारूप लिखिए। 2
9. निम्नलिखित विषयों में से किसी पर लगभग 500 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए- 5
(i) डिजिटल इंडिया (ii) पड़ौसी देश और भारत
(iii) राजस्थान में जल संकट (iv) राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

खण्ड - स

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 4
हाथ की मेहनत से चीज में जो रस भर जाता है वह भला लोहे के द्वारा बनाई हुई चीज में कहाँ? जिस आलू को मैं स्वयं बोता हूँ, मैं स्वयं पानी देता हूँ, जिसके

इर्दगिर्द की घास-पात खोदकर मैं साफ करता हूँ, उस आलू में जो रस मुझे आता है वह टीन में बंद किए हुए अचार मुरब्बे में नहीं आता। मेरा विश्वास है कि जिस चीज में मनुष्य के प्यारे हाथ लगते हैं, उसमें उसके हृदय का प्रेम और मन की पवित्रता सूक्ष्म रूप में मिल जाती है और उसमें मुर्दे को जिंदा करने की शक्ति आ जाती है।

अथवा

सुडोल पत्थरों पर कल-कल करती हुई कोसी, किनारे के छोटे-छोटे सुन्दर गाँव और हरे मखमली खेत! कितनी सुंदर है सोमेश्वर की घाटी! हरी-भरी! एक के बाद एक बस स्टेशन पड़ते थे, छोटे-छोटे पहाड़ी डाकखाने, चाय की दुकानें और कभी कभी कौसी या उसमें गिरने वाले नदी-नालों पर बने हुए पुल। कहीं-कहीं सड़क निर्जन चीड़ के जंगलों से गुजरती थी। टेढ़ी-मेढ़ी, ऊपर नीचे रेंगती हुई कंकरीली पीठ वाले अजगर-सी सड़क पर धीरे-धीरे बस चली जा रही थी। रास्ता सुहावना था और उस थकावट के बाद उसका सुहावनापन हमें भी तंद्रालस बना रहा था।

11. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 4

इंद्र जिम जंभ पर, बाड़व ज्यौं अंभ पर,
रावण संदभ पर रघुकुल राज है।
पौन वारिवाह पर, संभुरति नाह पर,
ज्यों सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुम दड पर चीता मृग झुंड पर,
भूषण वितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेजतम अंश पर, कान्ह जिमि कंस पर
यौ मलेच्छ-बंस पर, सेर सिवराज है।

अथवा

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बार-भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने?

12. बाजार किसी लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र को नहीं देखता;
वह देखता है सिर्फ उसकी क्रय शक्ति को। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

'उषा' कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है। स्पष्ट कीजिए।

13. बिहारी काव्य में उक्ति वैचित्र्य, अन्योक्ति, अर्थ गांभीर्य, अर्थ-विस्तार, आलंकारिता तथा कल्पना की समाहार शक्ति का विलक्षण समावेश है। स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

मजदूरी का ऋण तो परस्पर प्रेम की सेवा से चुकता होता है, अन्न-धन से नहीं। वे तो दोनों ईश्वर के हैं। मजदूरी और प्रेम निबंध के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 40 शब्द)

14. हिम्मत कीमत होय, बिन हिम्मत कीमत नहीं। से कवि का क्या तात्पर्य है? 2

15. कवि के अनुसार भोर का आकाश किसके समान नीला है? 2

16. प्रजातंत्र की पूरी सफलता के लिए, किसका होना अनिवार्य शर्त है? 2

17. तौलिए एकांकी के प्रधान स्त्री पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए। 2

18. किसी एक कवि या लेखक का साहित्यिक परिचय दीजिए- 4
(अ) तुलसीदास (ख) सुभद्रा कुमारी चौहान

19. "काज परै कछु और है, काज सरै कछु और।
रहिमन भंवरी के भए, नदी सिरावत मौर॥
प्रस्तुत दोहे के माध्यम से रहीम ने मनुष्य की किस प्रवृत्ति का वर्णन किया है? 1½

20. ममता ने स्वर्ण मुद्राओं का उपहार लेने से क्यों मना कर दिया? 1½

खण्ड - द

21. सुनते ही लहनासिंह को दुःख हुआ। उस पर यह प्रतिक्रिया क्यों हुई? 1½

22. सभ्य बनने के लिए गाँधीजी ने इंग्लैंड में क्या-क्या कार्य किए? 1½

23. "अंत में एक ऐसा निर्मम सत्य उद्घाटित हुआ।" गौरा पाठ के आधार पर बताइए कि वह निर्मम सत्य क्या था? 1½

24. अजंता की गुफाओं में स्थापित बोधिसत्व पद्म पाणि के चित्र का वर्णन कीजिए 2½

अथवा

राजा भगत का तुलसीदास से मिलने का क्या उद्देश्य था? वे कहाँ तक सफल रहे? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - य

25. समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली का स्वरूप बताइये। 1½

26. संपादकीय लेखन से आप क्या समझते हैं? 1½

27. एक अच्छे साक्षात्कारकर्त्ता के गुणों पर प्रकाश डालिए। 1½

28. यदि आपको पत्रकार बनना पड़े तो आप किस प्रकार की पत्रकारिता करना चाहेंगे और क्यों? 1½

29. डायरी लेखन की विशेषताओं को संक्षेप में बताइये। 2

❖❖❖